भारत सरकार
सहकारिता मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2811
मंगलवार, 10 मार्च, 2026/19 फाल्गुन, 1947 (शक) को उत्तरार्थ

सहकारी समितियों की वित्तीय स्थिति

2811. श्री बाल्या मामा सुरेश गोपीनाथ म्हात्रे:

क्या **सहकारिता** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में राज्य-वार ऐसी कितनी सहकारी समितियां हैं जो लाभ की स्थिति में हैं, घाटे में हैं या निष्क्रिय हैं;
(ख) विगत चार वर्षों के दौरान पीएसीएस (प्राथमिक कृषि ऋण समितियां) कम्प्यूटरीकरण योजना के अंतर्गत राज्य-वार कितनी संस्थाओं को तकनीकी सहायता प्रदान की गई है;
(ग) क्या यह सच है कि कई सहकारी बैंकों में भ्रष्टाचार और कुप्रबंधन की शिकायतें प्राप्त हुई हैं; और
(घ) यदि हाँ, तो सहकारी बैंकों को भ्रष्टाचार और कुप्रबंधन से मुक्त करने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

सहकारिता मंत्री
(श्री अमित शाह)

(क) राष्ट्रीय सहकारी डेटाबेस (NCD) के अनुसार, देश में कुल 8.48 लाख सहकारी समितियों में से 6.59 लाख क्रियाशील, 1.41 लाख अक्रियाशील तथा 47,688 परिसमापनाधीन हैं। 6.59 लाख क्रियाशील सहकारी समितियों में से 3.49 लाख लाभ में, 2.11 लाख हानि में हैं तथा 99,325 सहकारी समितियों के लिए लाभ/हानि की स्थिति उपलब्ध नहीं है। राज्य-वार सहकारी समितियों की कुल संख्या, उनकी क्रियाशील/अक्रियाशील स्थिति तथा लाभ/हानि की स्थिति सहित विवरण **अनुलग्नक-1** में संलग्न है।
(ख) PACS को सशक्त बनाने के लिए भारत सरकार द्वारा ₹ 2925.39 करोड़ के कुल वित्तीय परिव्यय के साथ क्रियाशील PACS के कंप्यूटरीकरण की एक परियोजना को स्वीकृति प्रदान की गई है, जिसके अंतर्गत देश की सभी क्रियाशील PACS को ERP आधारित राष्ट्रीय सॉफ्टवेयर पर लाया जाना है। इस परियोजना के अंतर्गत 31 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों से स्वीकृत कुल 79,630 PACS में से 61,478 PACS को ERP सॉफ्टवेयर पर ऑनबोर्ड किया जा चुका है। PACS कंप्यूटरीकरण परियोजना की राज्य-वार स्थिति **अनुलग्नक-2** में संलग्न है।
(ग) एवं (घ) बहु-राज्य सहकारी बैंकों के अनुपालन एवं सुशासन प्रदर्शन की समीक्षा एक सतत प्रक्रिया है। जब भी किसी बहु-राज्य सहकारी बैंक में अनियमितताओं के उदाहरण संज्ञान में आते हैं, तो बहु-राज्य सहकारी समितियाँ अधिनियम, 2002 तथा उसके अंतर्गत बनाए गए नियमों के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जाती है।

इसके अतिरिक्त, बहु-राज्य सहकारी समितियाँ अधिनियम, 2002 में वर्ष 2023 में संशोधन किया गया है, ताकि बहु-राज्य सहकारी समितियों (जिसमें MSCS बैंक भी शामिल हैं) में सुशासन को सुदृढ़ करने, पारदर्शिता बढ़ाने, जवाबदेही सुनिश्चित करने तथा निर्वाचन प्रक्रिया में सुधार लाने के उद्देश्य से वर्तमान विधिक ढाँचे को और मजबूत किया जा सके तथा संविधान के 97वें संशोधन के प्रावधानों को शामिल किया जा सके। उक्त संशोधन के माध्यम से अनेक प्रावधान शामिल किए गए हैं, जिनका उद्देश्य बहु-राज्य सहकारी बैंकों के कार्यकलापों में नियामक पर्यवेक्षण एवं निगरानी को सुदृढ़ करना तथा संभावित वित्तीय अनियमितताओं की रोकथाम करना है।

******

अनुलग्नक-1

लाभ/हानि की स्थिति सहित सहकारी समितियों की राज्य-वार कुल संख्या

S. No.	State/UT	Total Societies	Non-functional	Status of Profit / Loss			
				Total Functional	In profit	In loss	Not Available
1	Andaman and Nicobar Islands	2,239	881	1,207	366	782	59
2	Andhra Pradesh	18,183	5,475	12,439	2,893	9,109	437
3	Arunachal Pradesh	1,461	476	1,014	398	111	505
4	Assam	12,427	3,545	7,772	2,800	2,298	2,674
5	Bihar	27,387	4,881	22,344	13,191	6,730	2,423
6	Chandigarh	476	221	196	118	66	12
7	Chhattisgarh	11,845	1,026	10,245	6,073	2,975	1,197
8	Delhi	5,944	3,989	1,939	1,089	774	76
9	Goa	5,593	2,340	3,153	1,813	691	649
10	Gujarat	86,519	6,272	79,386	56,736	15,894	6,756
11	Haryana	34,673	2,853	15,604	7,231	6,461	1,912
12	Himachal Pradesh	5,791	538	4,985	3,849	854	282
13	Jammu And Kashmir	10,620	1,623	9,003	3,592	398	5,013
14	Jharkhand	12,091	3,897	8,016	2,620	4,541	855
15	Karnataka	46,969	3,539	40,368	27,339	10,453	2,576
16	Kerala	19,652	3,752	15,130	4,555	10,094	481
17	Ladakh	275	107	168	119	32	17
18	Lakshadweep	43	12	31	6	16	9
19	Madhya Pradesh	53,965	18,545	26,623	15,466	10,117	1,040
20	Maharashtra	2,25,986	2,739	2,19,941	1,07,783	68,502	43,656
21	Manipur	11,627	6,043	5,300	3,297	295	1,708
22	Meghalaya	3,452	472	2,975	1,245	1,182	548
23	Mizoram	1,560	195	1,270	600	625	45
24	Nagaland	7,955	5,785	1,830	1,255	271	304
25	Odisha	8,362	500	7,757	2,373	2,484	2,900
26	Puducherry	464	62	401	207	193	1
27	Punjab	19,662	2,670	11,906	7,201	4,475	230
28	Rajasthan	41,969	13,357	25,704	17,516	6,047	2,141
29	Sikkim	3,768	2,082	1,416	636	303	477
30	Tamil Nadu	23,210	1,200	21,240	11,949	7,504	1,787
31	Telangana	60,858	12,964	47,504	22,223	22,424	2,857
32	DNH & DD	597	157	379	128	33	218
33	Tripura	3,270	955	2,223	691	1,019	513
34	Uttar Pradesh	40,709	16,997	22,681	8,934	6,575	7,172
35	Uttarakhand	6,393	1,825	4,409	2,301	283	1,825
36	West Bengal	32,142	8,930	22,985	10,662	6,353	5,970
	Total	**8,48,137**	**1,40,905**	**6,59,544**	**3,49,255**	**2,10,964**	**99,325**

Source: NCD portal as on 01.03.2026

अनुलग्नक-2

PACS कंप्यूटरीकरण परियोजना की राज्य-वार स्थिति

S. No	State/UTs	Total Sanctioned PACS	ERP Onboarded	ERP Go Live	Day End Completed	Audit Completed	Total amount released in Cr.
1	Maharashtra	12178	12028	12011	12000	11949	130.73
2	Bihar	4495	4478	4475	4471	4364	51.76
3	Gujarat	6216	5705	5575	5458	4724	93.97
4	Andhra Pradesh	2037	2021	2021	2017	2016	37.41
5	Chhattisgarh	2028	2028	2028	2028	1975	28.35
6	Rajasthan	8525	6157	6153	5860	3828	84.83
7	Jharkhand	2797	1479	1491	1461	1378	34.30
8	Punjab	3482	3172	2760	2385	786	32.94
9	Madhya Pradesh	5455	4532	4524	4530	4492	66.43
10	J&K	708	537	537	537	537	10.37
11	Himachal Pradesh	1885	1376	1234	1210	608	28.25
12	Haryana	710	624	580	568	454	8.79
13	Uttar Pradesh	6257	3061	3052	2922	2110	67.10
14	Karnataka	5894	4337	3690	3606	3252	67.83
15	Assam	850	577	576	569	566	17.02
16	Tripura	475	267	247	262	197	8.21
17	Sikkim	131	107	107	107	105	3.28
18	Goa	86	51	46	41	37	1.19
19	Puducherry	45	45	45	45	30	0.67
20	ANI	46	46	46	46	46	0.69
21	Mizoram	99	25	25	25	24	1.27
22	Ladakh	10	10	10	10	10	0.12
23	Nagaland	231	102	67	53	17	4.43
24	DNH & DD	9	4	4	4	4	0.12
25	Arunachal Pradesh	139	13	13	13	13	1.22
26	Uttarakhand	1216	669	668	589	469	5.69
27	Manipur	308	199	195	196	128	3.14
28	Meghalaya	330	11	9	10	4	2.34
29	Tamil Nadu	4561	4509	4508	4509	529	51.73
30	West Bengal	4187	3308	3145	2874	208	45.79
31	Odisha	4240	0	0	0	0	18.07
	Total	**79630**	**61478**	**59842**	**58406**	**44860**	**908.06**

*****